बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

पुरुष, जो कभी नहीं झुकता

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Jonathan Hay

रूपान्तरकार: Mary-Anne S.

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

राजा नबूकदनेस्सर ने एक विशाल सोने की मूर्ति का निर्माण कराया। वह सिर से पैर तक, सोने का था। राजा वह सपना भूल गया था; परमेश्वर ने उसे बताया था कि उसका सोने जैसा राज्य हमेशा के लिए न रहेगा। शायद उसने ऐसा सोचा, यदि वह पूरी प्रतिमा को केवल सोने से ही निर्माण करवाये तो फिर उसके सपने द्वारा दिया हुआ परमेश्वर का वह वचन सच नहीं होगा।

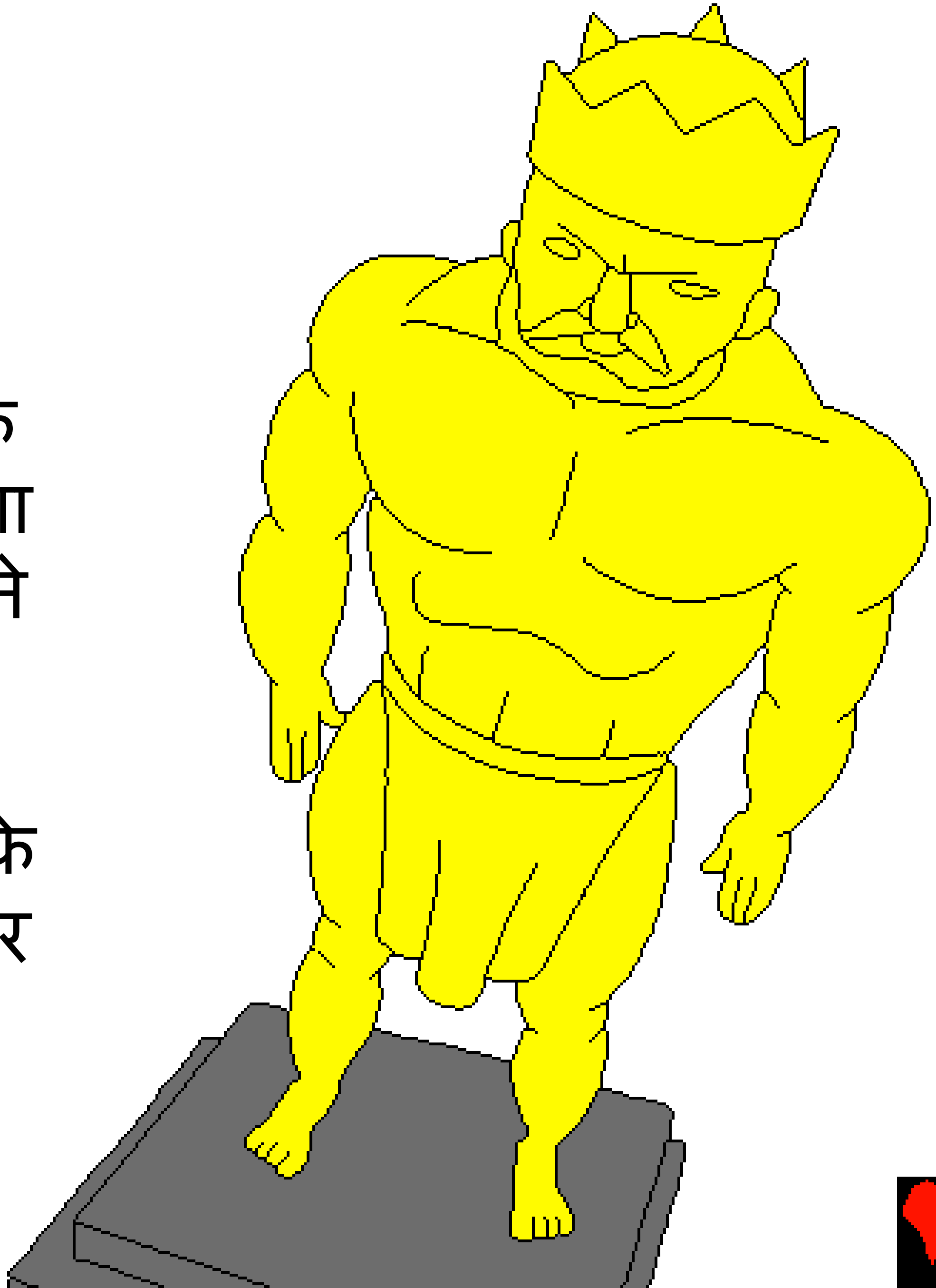

"राजा के सेवकों में से एक ने सभी लोगों के लिए आदेश पढ़ा ... तुम सब नीचे गिरकर इस सोने की मूर्ति की पूजा करोगे ... और तुममें से जो कोई भी नीचे गिरकर पूजा नहीं करेगा वह एक जलती हुई आग की भट्ठी के बीच में डाल दिया जाएगा"।

तीन पुरुषों को छोड़कर - सब लोगों ने राजा के इस आदेश का पालन किया। ये लोग इब्रियों में से थे। वे शद्रक, मेशक और अबेदनगो, दानिय्येल के दोस्त थे। निश्चित रूप से लगता है दानिय्येल समय पर वहाँ नहीं था; नहीं तो वह खुद मानव के हाथो से निर्मित मूर्ति की पूजा करने से इनकार कर दिया होता।

राजा के पण्डित दानिय्येल और उसके दोस्तों से ईर्ष्या रखते थे, क्योकि राजा उन्हें पसंद करता था। तब उन्होंने कहा, जिन तीन पुरुषों, शद्रक, मेशक और अबेदनगो को - तुमने बाबुल प्रान्त के ऊपर शासकों के रूप में रखा हैं। "हे राजा, ये लोग, तुम्हारे आदेश का पालन नहीं करते हैं। वे तुम्हारे देवताओं की उपासना और न ही तुम्हारे द्वारा स्थापित उस सोने की मूर्ति की पूजा करते है"।

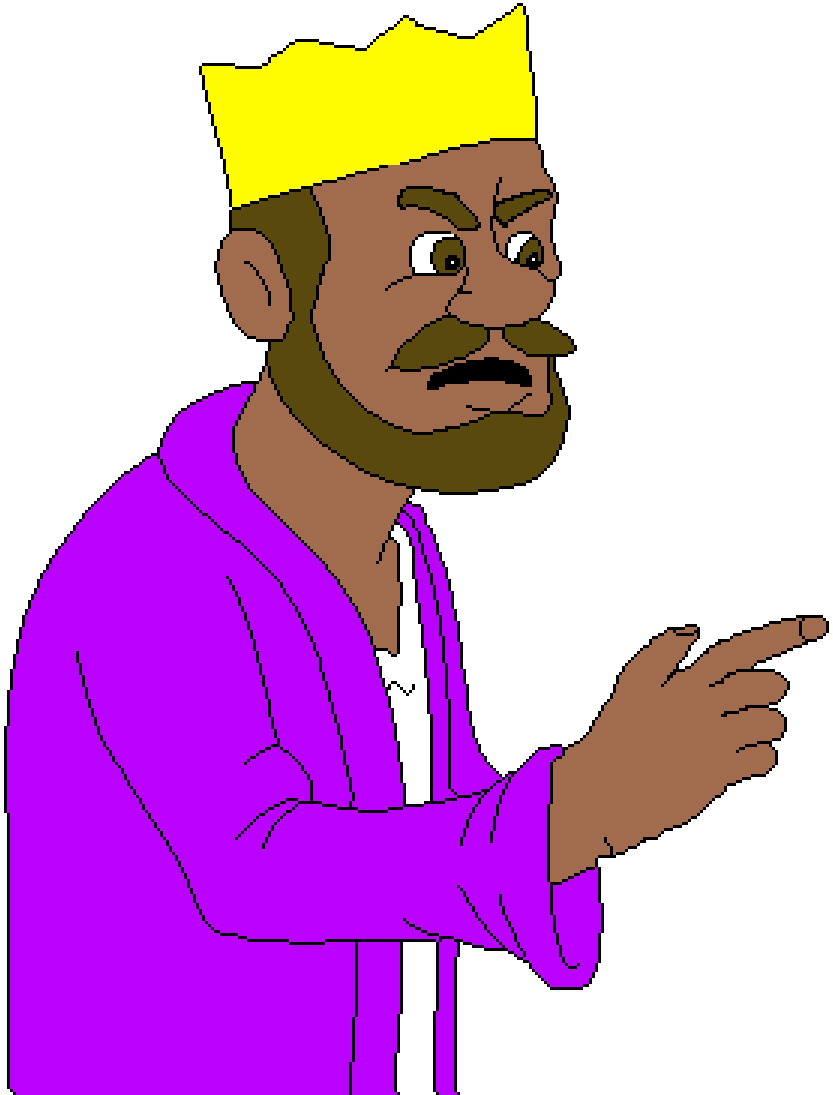

राजा नबूकदनेस्सर क्रोध से भर गया। उसने उन्हें चेतावनी दी कि यदि तुम सब पूजा नहीं करोगे, तो तुम्हे एक जलती हुई आग की भट्ठी के बीच में डाल दिया जाएगा। "फिर कौन सा परमेश्वर मेरे हाथ से तुम्हे बचाएगा?"

राजा एक बड़ी गलती कर रहा था। वह वास्तव में जीवित प्रभु परमेश्वर को चुनौती दे रहा था। ये तीन इब्री पुरुषों को यह पता था कि मूर्ति पूजा करना परमेश्वर के कानून के खिलाफ था। वे खड़े रहे। वे परमेश्वर पर भरोसा किये, क्योंकि वे राजा से नहीं डरते थे।

इन तीन बहादुर पुरुषों के पास राजा के लिए एक जवाब था। "उन्होंने कहा कि हम जिस यहोवा की सेवा करते हैं वह हमें जलती हुई आग की भट्ठी में से बचाने में सक्षम है; लेकिन यदि नहीं, तौभी हे राजा यह जान ले कि हम तुम्हारे देवताओं की उपासना और न ही तुम्हारे द्वारा स्थापित सोने की मूर्ति की पूजा करेंगे"।

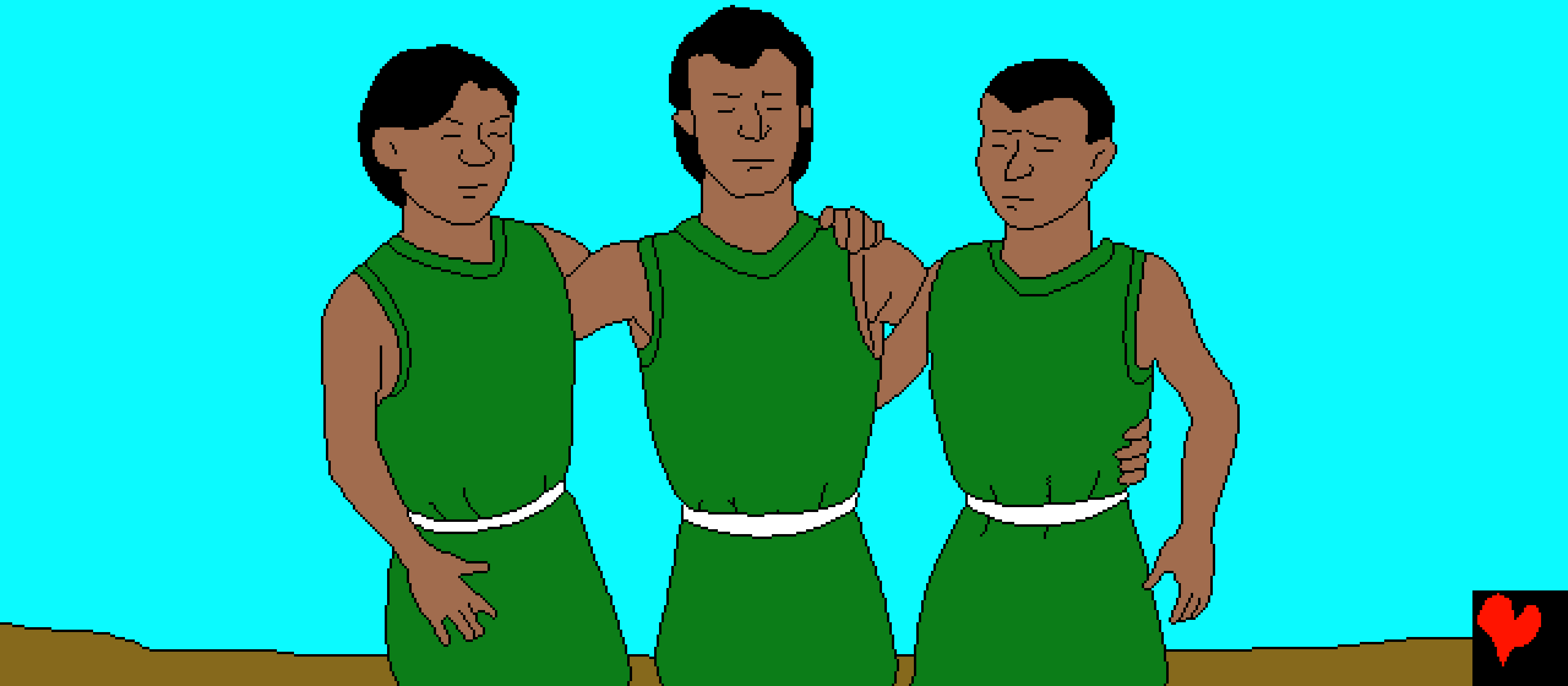

राजा नबूकदनेस्सर
बहुत क्रोधित हुआ!
उसने भट्ठी को आम
गर्मी की तुलना से सात
गुना और अधिक गर्म
करने का आदेश दिया।
तौभी पुरुषों ने घुटना
नहीं टेका।

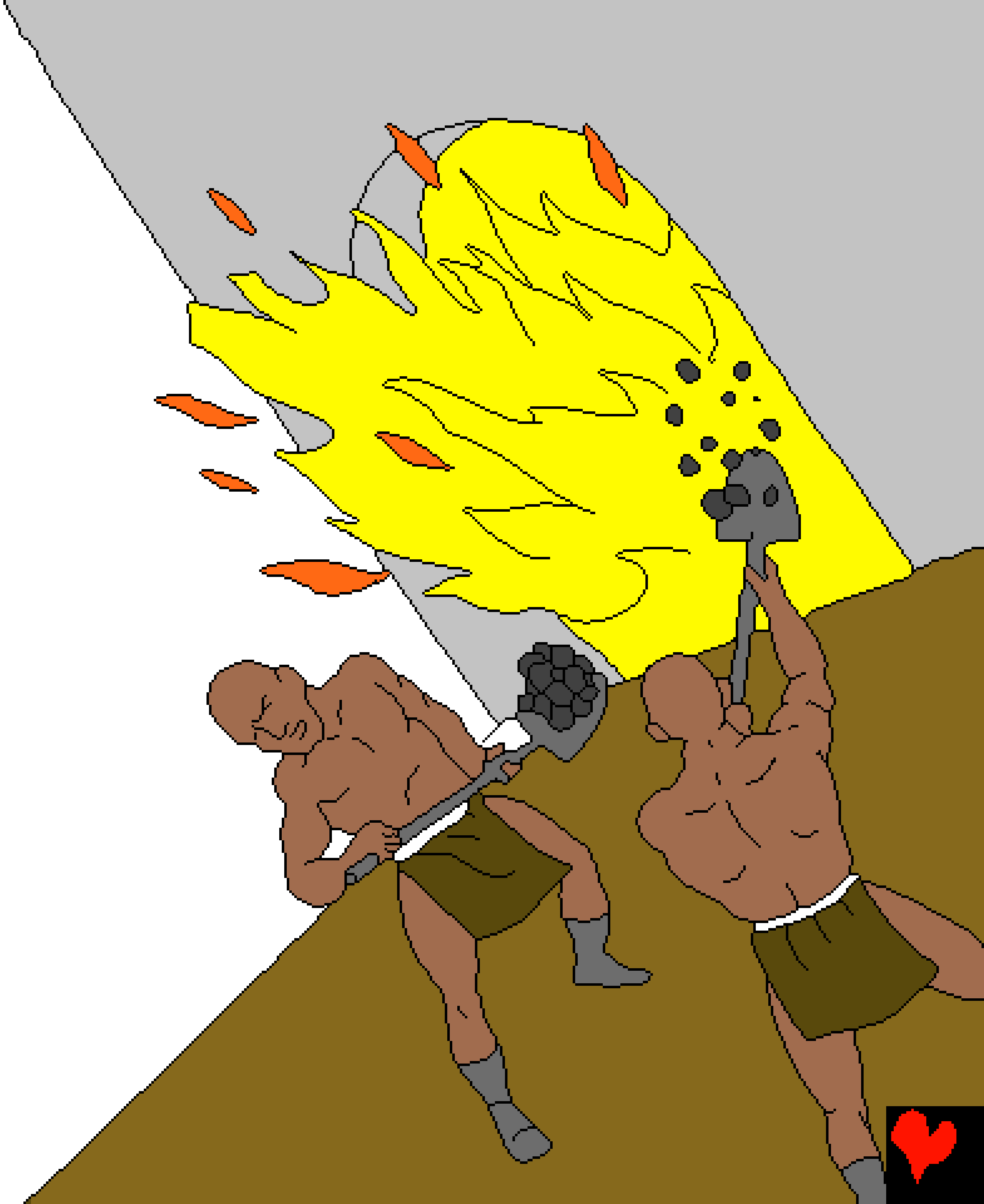

राजा ने अपने सेना में से सबसे शक्तिशाली पुरुषों को आदेश दिया, कि वे शद्रक,

मेशक और अबेदनगो को बांध कर उस जलती आग की भट्ठी में उन्हें फेंक दें।

भट्ठी की आग इतनी गर्म थी कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को फेंकने वाले पुरुषों की उस गर्मी से मौत हो गई।

राजा एक सुरक्षित दूरी से सब देख रहा था। उसने देखा कि तीन पुरुषों को सही धधकते भट्ठे के बीच में डाला जा रहा है; लेकिन वह सब इतना ही नहीं देखा।

राजा नबूकदनेस्सर हैरान था! उसने अपने सहायकों से पूछा, "हमने आग के बीच में केवल तीन ही लोगों को बांधकर नहीं फेंका था?" "हाँ" उन्होंने उत्तर दिया। उसने कहा, "देखो, लेकिन मैं आग के बीच में चार पुरूषों को इधर उधर चलते फिरते देखता हूँ, और उन्हें कोई हानि भी नहीं हो रही है। और चौथा तो परमेश्वर के बेटे की तरह लग रहा है! देखो!"

जलती आग की भट्ठी के दरवाजा के पास जाकर, राजा, बहुत रोया और चिल्लाया "शद्रक, मेशक और अबेदनगो, परमप्रधान परमेश्वर के दास, बाहर आओ!" तो फिर शद्रक, मेशक और अबेदनगो, आग की भट्ठी से बाहर आ गये।

सब लोग चारों ओर इकट्ठा होकर उन तीन इब्रियों की जांच की। उन्होंने देखा था की आग के पास उन्हें जलाने के लिए कोई शक्ति नहीं थी। उनके बाल तक नहीं झुलसे और न ही उनके कपड़े जले थे। उनसे आग की बू तक भी नहीं आ रही थी।

जब उसे एहसास हुआ, तब राजा नबूकदनेस्सर ने बहुत बुद्धिमानी भरा काम किया। उसने प्रार्थना की, और कहा, "शद्रक, मेशक और अबेदनगो का परमेश्वर धन्य है; जिसने अपने दूत को भेजकर उस पर विश्वास करने वाले सेवकों को बचा लिया है।"

पुरुष, जो कभी नहीं झुकता

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

दानिय्येल 3

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16